Workshop on Leadership Building @ SBPS

"We should endeavour to become a master; not just a teacher or a preacher." To motivate teachers about their attributes and leadership qualities a workshop was conducted at SBPS on 7th June 2019 wherein the resource person Mr. Tejwant Singh Grewal from Melbourne University (Australia) provided training for leadership building. Mr Grewal guided teachers to work in a team, trained them about how to create a strong value system and develop confidence among individuals. He also provided techniques to improve speaking skills and discussion skills among the team members. Through the workshop he helped the teachers improve their body language externally as well as internally. He made aware of the 'Fishbone theory' given by the Japanese theorist Kaoru Ishikawa to find out the root cause of the problem of learning. In addition, he suggested the teachers to train the students through life-experience rather than just teaching theoretically and to impart knowledge in a crystal-clear way so that whatever the students learn, it gets imbibed in their minds for lifetime.

School Head Personnel & Admin. Mr. Pradip Varma said that we endeavour to organise such workshops at our school to create a dynamic teaching profession for the 21st century so that it leads to increased students' achievement.

The Principal Mrs Paramjit Kaur said that the teachers share a heightened responsibility for equitable opportunities for the success of their school, students as well as communities and such workshops enhance their skills for the same.

सरला बिरला पब्लिक स्कूल में 'नेतृत्व क्षमता के विकास' विषय पर कार्यशाला आयोजित

'शिक्षक केवल उपदेशक की भूमिका में नहीं रहें, 'मास्टर' बनें'। सरला बिरला पब्लिक स्कूल में नेतृत्व क्षमता के विकास हेतु आज एक कार्यशाला आयोजित की गई। रिसोर्स पर्सन मेलबर्न यूनिवर्सिटी के श्री तेजवंत सिंह ग्रेवाल ने 'नेतृत्व क्षमता के विकास' से संबंधित इस कार्यशाला में शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया।

श्री ग्रेवाल ने बताया कि बच्चों को पढ़ाने के क्रम में शिक्षकों में विषय संबंधी ज्ञान तो आवश्यक है ही साथ ही उनमें सही नेतृत्व क्षमता का होना अत्यंत आवश्यक है। शिक्षकों में वक्तृत्व क्षमता के विकास एवं कौशलों में निपुणता हेतु कई तकनीक सिखाई गई।

श्री ग्रेवाल ने जापानी विद्वान कावरू इशिकावा के 'फिशबोन थ्योरी' का उदाहरण देते हुए अत्यंत रोचक ढंग से बच्चों में सीखने की क्षमता को बढ़ाने और सीखने में आने वाली बाधाओं का समाधान प्रस्तुत किया। उन्होंने वर्तमान शिक्षण पद्धति में आने वाली चुनौतियों का सामना करने हेतु कई तरीके बताए। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य क्लासरूम टीचिंग को प्रभावशाली बनाने एवं बच्चों के चहुमुखी विकास की विधियों से शिक्षकों को प्रशिक्षित करना था।

विद्यालय के प्रशासनिक व कार्मिक प्रमुख श्री प्रदीप वर्मा ने कहा कि विद्यालय में इस तरह के आयोजन आवश्यक हैं, जिससे शिक्षक टीचिंग को प्रभावशाली बना सकें।

प्राचार्या श्रीमती परमजीत कौर ने कहा कि बच्चे देश के भविष्य हैं इन्हें समाज व देश के लिए एक सफल व योग्य इंसान बनाने में शिक्षकों की अहम भूमिका होती है अतः शिक्षकों को ऊर्जावान होकर कार्य करने में इस तरह की कार्यशाला सहायक होती है। बच्चों के लिए सकारात्मक माहौल प्रदान करने एवं उनकी समस्याओं को समझते हुए उनके विकास में यह अत्यंत सहायक है।

SARALA BIRLA PUBLIC SCHOOL
Organises
Workshop for Teachers
On Leadership Building
7th June 2019

Workshop on Leadership Building
by:
T.S. Garewal